**मौलिक-वैकल्पिक-विषय के लिये संस्कृतविषयक विस्तृत पाठ्यक्रम**
**Detail of the Generic Elective (GE) Course for Sanskrit**
**सत्र- चतुर्थ Semester –04**

| | | |
|---|---|---|
| **मौलिक-वैकल्पिक-विषय** | **व्यक्ति, परिवार तथा भारतीय सामाजिक विचार में समुदाय** | **पूर्णाङ्क -100** |
| **Generic Elective (GE)** | | **सत्रान्त परीक्षा -70** |
| **Paper–HSA-G411** | **Individual , Family and community in Indian Social Thought** | **आन्तरिक परीक्षा-30** |
| | | **सकल-अर्जिताधिभार 06** |

**पाठ्यक्रम -**
**खण्ड क (Section-1)** व्यक्ति
**खण्ड ख (Section-2)** परिवार
**खण्ड ग (Section -3)** समुदाय

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य-**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्र को संस्कृत साहित्य में वर्णित सामाजिक परिदृश्य से अवगत कराना है। मानव का व्यक्तिगत चिन्तन, पारिवारिक एवं सामाजिक कैसा हो वह कैसे व्यवहार करे और अपना जीवन किस प्रयोजन से यापन करे।

**पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-**

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र अपने व्यक्तित्व को कैसे निखार सकता है? उसका क्या लक्ष्य है? जान सकता है।
2. संयुक्त परिवारों की चिन्तना क्या लाभ दे सकती है? सबका सामूहिक विकास कैसे सम्भव है? यह इससे अनायास जानना सम्भव है।

**घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)**

**खण्ड क (Section -1)**
**व्यक्ति**

**घटक क (Unit–1)** **(क)** व्यक्ति के विचार (गीता ६/५) , इन्द्रियों के कार्य , बुद्धि, मन और आत्मा ( गीता ३/४२, १५/७, १५/९, ३/३४, २/५८,२/५९,३/६-७ , ५/८, २/६४ )
**(ख)** त्रिगुण और उनके व्यक्ति पर प्रभाव (गीता १४/५-१३,१४/१७,३/३६-३८,१८/३०-३२)

**घटक ख (Unit–2)** श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार शारीरिक एवं मानसिक प्रक्रिया का प्रबन्धन :
**(१)** कर्मयोग (२/४७,४८, ३/८,३/4,३/१९,३/२५)
**(२)** भक्तियोग (७/१,८/७,९/१४,९/२७,१२/११,१२/१३-१९)
**(३)** ज्ञानयोग (४/३८-३९,४२,१८/१३ )
**(४)** ध्यानयोग (१६/१२,२५,२६,३४ )

**घटक ग (Unit–3)** संस्कार: समाज में व्यक्ति का विकास ( हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय )
**घटक घ (Unit–4)** जीवन का उद्देश्य : पुरुषार्थ चतुष्टय

सत्र २०१९-२० से प्रभावी

**खण्ड ख (Section -2)**

**परिवार**

**घटक क (Unit–1) (क)** संयुक्त परिवार (सामनस्य सूक्त –अथर्ववेद ३/३०)

**घटक ख (Unit–2) (क)** विवाह पद्धति में प्रतीक (हिन्दू संस्कार – राजबली पाण्डेय , अध्याय९, तृतीय संस्करण , १९७८)

**घटक ग (Unit–3)** वाल्मीकि रामायण में सीता का निष्कासन

**खण्ड ग (Section-3)**

**समुदाय**

**घटक (Unit–1)** सामुदायिक संगठनों की कार्य-पद्धति (संविद व्यक्तिकर्म / समय अनपकर्म )

सन्दर्भ – धर्मशास्त्र का इतिहास , भाग-२, धर्मकोश, व्यवहार काण्ड (विवादपदानि)

**घटक ख (Unit–2)** संस्कृत साहित्य में व्यक्ति और प्रकृति के मध्य सामंजस्य (कालिदास के विशेष सन्दर्भ में)

**घटक ग (Unit–3)** दान, इष्टापूर्त्त, पञ्चमहायज्ञ

**प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-**

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक (लघूत्तरीय प्रश्न) / वर्णनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे। अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / वर्णनात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें । 04 अंकx10=40

**टिप्पणी :** खण्ड क एवं ख में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में करना अनिवार्य होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. Kaane PV : History of Dharma SHaastra, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
2. Pandey Rajbali: Hindu, Samskara, Motilal Banarasi Das, Delhi
3. काणे पांडुरंग वामन – धर्मशास्त्र का इतिहास, अनुवादक अर्जुन चौबे काश्यप, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान
4. पाण्डेय राजबलि – हिन्दू संस्कार – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1978
5. जोशी लक्ष्मण शास्त्री – धर्मकोष, व्यवहारकाण्ड, विवादपदानि (प्रथम भाग) प्राज्ञ पाठशाला, वाई, सतारा, महाराष्ट्र
6. Upadhyay, V., Praaceena Bhaarateeya Abhilekha (Hindi)
7. Thapar, Romila, Asoka tathaa Maurya Saamraajya Kaa Patana (Hindi)